खास-खबरें

मेरे सपनों का भारत चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता आयोजित

नईदुनिया, प्रतिनिधि, सीहोरः सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सिहोरे जिलें में 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर राष्ट्रीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी रचनात्मकता, विचारों और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने चित्रों एवं भाषणों के माध्यम से भारत के उज्ज्वल भविष्य, विकास और प्रगति की अपनी कल्पनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। रंगों और शब्दों के माध्यम से विद्यार्थियों ने विकसित भारत के संकल्प और विश्वास को अभिव्यक्त किया। आयोजकों ने कहा कि विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच और उनके सपने ही भविष्य के भारत की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशप्रेम, रचनात्मकता और राष्ट्र निर्माण के प्रति सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित करना रहा।

श्रीद्वारकाधीश मंदिर में दिव्य-भव्य रूप में मनाई गई श्रीराधाष्टमी

नईदुनिया, प्रतिनिधि, विदिशाः स्थानीय किलेअंदर अवस्थित नगर-क्षेत्र के विशिष्ठ आस्थाधाम भगवान श्रीद्वारकाधीश मंदिर में परमेश्वरी श्रीराधाजी का प्राकट्य महोत्सव परम्परागत विधि-विधानपूर्वक हर्षोल्लास से दिव्य-भव्य रूप में मनाया गया। इस अवसर पर बृषभानु किशोरीजी श्रीराधिकाजी का अनुपम श्रृंगार किया गया तथा मंदिर परिसर में अवसरानुकूल आध्यात्मिक झांकी लीला भी प्रदर्शित की गई। इस संदर्भ में मंदिर परिसर में एक ओर जहाँ कदली स्थापित किए गए, वहीं मंदिर परिसर को आम आदि के पत्तों से भी सुसज्जित किया गया। मंदिर के मुखिया पं. गिरिजेश मिश्रा ने बताया कि अवसरानुकूल विद्युत साज-सज्जा भी की गई। प्रातः 11:30 बजे किशोरीजी का पावन अभिषेक एवं दोपहर 12 बजे जन्मआरती हुई। इस अवसर पर सायंकाल 7 बजे बृषभानु लली का दधीखाना महोत्सव भी मनाया गया, जिसमें भक्तों को फल, मिठाई तथा खिलौने आदि लुटाए गए।

राधाष्टमी पर भक्ति में सराबोर हुई मातृशक्ति

नईदुनिया, प्रतिनिधि, भैरूंदाः नगर में महिला समन्वय एवं सेवा भारती की मातृशक्ति द्वारा राधाष्टमी महोत्सव श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राधा-कृष्ण की आकर्षक झांकी सजाई गई। कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन और जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्रीराधा-कृष्ण के पूजन-अर्चन से हुई। इसके बाद महिलाओं ने सामूहिक रूप से भजन-कीर्तन प्रस्तुत किए। राधे-राधे और जय श्रीकृष्ण के जयघोष से आयोजन स्थल गूंज उठा। महिलाओं ने एक-दूसरे को राधाष्टमी की शुभकामनाएं दीं तथा परिवार, समाज और राष्ट्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

कृष्ण मंदिरों में उत्साह के साथ मनाई राधाष्टमी

नईदुनिया प्रतिनिधि, गंजबासौदाः शहर में शनिवार को राधाष्टमी का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न कृष्ण मंदिरों में विशेष पूजन-अर्चन और धार्मिक कार्यक्रम हुए। दोपहर 12 बजे राधा जी की प्रतिमा को पालने में विराजित कर जन्मोत्सव मनाया गया। मंदिरों में श्रद्धालुओं ने दर्शन कर पूजा-अर्चना की। मुरली मनोहर मंदिर में राधाष्टमी के अवसर पर राधा जी का आकर्षक श्रृंगार किया गया। मंदिर के पुजारी वल्लभ भार्गव ने बताया कि सुबह राधा जी का पंचामृत अभिषेक कराया गया। इसके बाद पालना दर्शन हुए। महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई। बेतवा व्रतपर्वोत्सव समिति के संस्थापक अध्यक्ष पंडित अरविंद अवस्थी ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भाद्रपद शुक्ल पक्ष की अष्टमी को राधाष्टमी मनाई जाती है। मान्यता है कि राधा जी का जन्म ब्रज के रावल गांव में हुआ था। उन्होंने बताया कि पुराणों में राधा को भगवान श्रीकृष्ण की शाश्वत शक्ति के रूप में वर्णित किया गया है और भक्त राधा-कृष्ण की आराधना को विशेष महत्व देते हैं। पंडित मुन्नालाल शास्त्री ने बताया कि धार्मिक ग्रंथों में राधा जी को श्रीकृष्ण की प्राणशक्ति और वृंदावन की अधीश्वरी के रूप में वर्णित किया गया है। इसी कारण राधाष्टमी पर श्रद्धालु राधा-कृष्ण की विशेष पूजा करते हैं।

कुबेरेश्वरधाम में राधाष्टमी पर चांदी के कलशों से हुआ महाभिषेक

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोरः जिला मुख्यालय के समीपस्थ चितावलिया हेमा स्थित निर्माणाधीन मुरली मनोहर और कुबेरेश्वर महादेव मंदिर परिसर में शनिवार को राधाष्टमी का पर्व आस्था, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। राधा-कृष्ण के दर्शन और पूजन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। मंदिर परिसर में दिनभर भजन-कीर्तन और धार्मिक आयोजन होते रहे। राधारानी और भगवान श्रीकृष्ण के विशेष श्रृंगार के साथ चांदी के कलशों से महाभिषेक किया गया। इसके बाद भगवान को 56 भोग अर्पित कर महाआरती की गई।

जिला समृद्धि मॉडल परियोजना का केन्द्रीय मंत्री चौहान ने विदिशा से किया शुभारंभ

नईदुनिया प्रतिनिधि, विदिशा : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गांवों को गरीबी मुक्त बनाने की दिशा में एक नई पहल के रूप में विदिशा से जिला समृद्धि मॉडल परियोजना का शुभारंभ किया गया। विदिशा संसदीय क्षेत्र के जिलों में ग्रामवासियों की आमदनी के स्रोतों में वृद्धि कर गांवों को आर्थिक रूप से सशक्त और समृद्ध बनाने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री तथा स्थानीय सांसद शिवराज सिंह चैहान एवं जिले के प्रभारी मंत्री लखन पटेल ने संयुक्त रूप से परियोजना का शुभारंभ किया।

शिवराज सिंह चैहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गांवों को गरीबी से मुक्त करने के उद्देश्य से इस नई पहल की शुरुआत विदिशा जिले से की जा रही है। इसका मूल उद्देश्य गांवों में रहने वाले परिवारों की आय में वृद्धि करना तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध कराना है।

उन्होंने कहा कि गरीबी से मुक्ति केवल सहायता उपलब्ध कराने से नहीं, बल्कि परिवारों की आय के स्थायी और विविध स्रोत विकसित करने से संभव होगी। जिला समृद्धि मॉडल परियोजना के माध्यम से प्रत्येक गांव की स्थानीय परिस्थितियों, उपलब्ध संसाधनों और संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए विकास की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। गांवों में कृषि के साथ-साथ पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, उद्यानिकी, खाद्य प्रसंस्करण, लघु उद्योग, स्वरोजगार, ग्रामीण पर्यटन तथा अन्य आयवर्धक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा।

केन्द्रीय मंत्री श्री चैहान ने कहा कि गांवों के प्रत्येक परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए यह आवश्यक है कि उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग हो और ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का समन्वित लाभ मिले। उन्होंने कहा कि ग्रामवासियों की क्षमता, स्थानीय संसाधनों और बाजार की संभावनाओं को जोड़कर एक से अधिक आय के साधन विकसित करना जिला समृद्धि मॉडल का महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

उन्होंने कहा कि गांवों में विकास की प्रक्रिया केवल शासकीय विभागों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसमें ग्रामवासियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। ग्रामीण स्वयं अपनी आवश्यकताओं और संभावनाओं की पहचान करें तथा प्रशासन और संबंधित विभाग उनके लिए आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, ऋण, बाजार और योजनाओं से जोड़ने का कार्य करें।

कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री लखन पटेल ने कहा कि जिला समृद्धि मॉडल परियोजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग करते हुए विकास को नई गति दी जाएगी। गांवों में विभिन्न विभागों की योजनाओं का बेहतर समन्वय कर पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

जिला समृद्धि मॉडल परियोजना के अंतर्गत गांवों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का अध्ययन कर वहां उपलब्ध संसाधनों, मानव शक्ति और स्थानीय बाजार की संभावनाओं के आधार पर विकास की दिशा तय की जाएगी। इसके तहत ऐसे परिवारों को चिन्हित किया जाएगा, जिनकी आय बढ़ाने के लिए अतिरिक्त आजीविका गतिविधियों की आवश्यकता है।

परियोजना में कृषि उत्पादन बढ़ाने के साथ ही पशुपालन, मत्स्य पालन, बागवानी, दुग्ध उत्पादन, कृषि प्रसंस्करण एवं स्व-सहायता व अन्य ग्रामीण उद्यमों को प्रोत्साहित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। ग्रामीण युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और स्वरोजगार की योजनाओं से जोड़कर उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर भी जोर रहेगा।

कार्यक्रम में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि गांवों को गरीबी मुक्त बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जनभागीदारी सबसे महत्वपूर्ण आधार है। ग्राम पंचायत, स्व-सहायता समूह, किसान समूह, युवा और ग्रामीण परिवार मिलकर अपनी स्थानीय आवश्यकताओं एवं आर्थिक संभावनाओं के अनुरूप कार्य करेंगे।

जिला समृद्धि मॉडल परियोजना के माध्यम से गांवों में केवल बुनियादी सुविधाओं का विस्तार ही नहीं, बल्कि प्रत्येक परिवार की आर्थिक क्षमता बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में समन्वित प्रयास किए जाएंगे। विदिशा से शुरू हुई यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में आय के नए अवसर विकसित करने और गांवों को आत्मनिर्भर एवं समृद्ध बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम के रूप में आगे बढ़ाई जाएगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने टीम वर्क की भावना से कार्य करने पर बल दिया है।

कार्यक्रम के दौरान जिला समृद्धि माडल परियोजना प्रारूप विदिशा पुस्तिका का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। वहीं ग्यारसपुर नौलास सीएलएफ की समूह की अध्यक्ष श्रीमती सीमा यादव ने शपथ का वाचन किया जिससे सभी ने दोहराया है।

कार्यक्रम स्थल पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी, शमशाबाद विधायक सूर्यप्रकाश मीणा, कुरवाई विधायक हरिसिंह सप्रे, बासौदा विधायक हरिसिंह रघुवंशी विदिशा नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा के अलावा अन्य जनप्रतिनिधियों, एमपीएसआरएलएम भोपाल के सीईओ विनय निगम पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी,कर्मचारी, स्व-सहायता समूहों के सदस्यगणों के साथ साथ गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

हिमांशी ने 9 उपवास तपस्या की पूर्ण

शाजापुर। जैन समाज की हिमांशी सक्षम गोलेछा द्वारा नौ उपवास की तपाराधना सकुशल पूर्ण की गई। चातुर्मास काल अंतर्गत नगर में विराजित तपसाधक स्थानकवासी संत शीतलराज महाराज के सानिध्य में नगर में तपाराधना का सिलसिला निरंतर जारी है। इसी कड़ी में श्री सिद्धाचल वीरमणि तीर्थ धाम शाजापुर ट्रस्ट मंडल के सचिव एवं समाजसेवी मनोज गोलेछा की पुत्रवधू हिमांशी सक्षम गोलेछा द्वारा 9 उपवास की उग्र तपस्या गुरूदेव के आशीर्वाद से सकुशल पूर्ण की गई है। नगर के समाजजनों द्वारा हिमांशी की तपाराधना की अनुमोदना करते हुए उनका बहुमान किया गया।

उत्तराखंड के राज्यपाल गुरमीत सिंह ने भगवान महाकालेश्वर के किए दर्शन

उज्जैन । उत्तराखंड शासन के राज्यपाल एवं पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल श्री गुरमीत सिंह ने शनिवार को ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर जी के दर्शन-पूजन का लाभ लिया। श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचने पर श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक मुकेश सोनी ने राज्यपाल गुरमीत सिंह का स्वागत एवं सत्कार किया।

गणेश उत्सव में आकर्षण का केंद्र बनी महाराणा प्रताप समिति की झांकी

नईदुनिया प्रतिनिधि, बरेलीः नगर में गणेश उत्सव को लेकर श्रद्धा और उत्साह का माहौल है। विभिन्न स्थानों पर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाएं स्थापित कर आकर्षक झांकियां सजाई गई हैं। इसी क्रम में श्री हनुमान मंदिर के समीप महाराणा प्रताप गणेश उत्सव समिति द्वारा सजाई गई झांकी श्रद्धालुओं और नगरवासियों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

समिति द्वारा पिछले सात वर्षों से लगातार गणेश उत्सव के दौरान झांकी स्थापित की जा रही है। इस वर्ष भी आकर्षक साज-सज्जा के साथ भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा स्थापित की गई है।

प्रतिदिन विद्वान पंडितों द्वारा विधि-विधान से पूजन-अर्चन और आरती कराई जा रही है। समिति सदस्यों के अनुसार गणेश उत्सव के दौरान प्रतिदिन झांकी के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है। धार्मिक वातावरण और आकर्षक साज-सज्जा के चलते आसपास के क्षेत्रों से भी लोग यहां पहुंच रहे हैं।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य केन्द्र का किया निरीक्षण

रायसेन। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को दीवागनंज में आयोजित शिविर के उपरांत कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री कमल सोलंकी, पुलिस अधीक्षक श्री आशुतोष गुप्ता तथा सीएमएचओ डॉ दिनेश खत्री भी साथ रहे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाएं, दवाओं की उपलब्धता, मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं तथा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्वास्थ्य अमले को निर्देश दिए कि मरीजों को त्वरित और बेहतर उपचार मिले। साथ ही स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने मरीजों से भी संवाद कर इलाज तथा स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली।

सावन मास के सफल आयोजन पर पुलिस विभाग ने जवानों की मेहनत को सराहा, बाकी विभाग भूले

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोरः श्रावण मास के दौरान शहर में उमड़े आस्था के अपार जनसैलाब और कांवड़ यात्रा के सफल व शांतिपूर्ण आयोजन के बाद अब विभागों द्वारा अपने कर्मचारियों के मूल्यांकन का दौर शुरू हो गया है। इस पूरे आयोजन को सुरक्षित और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने में पुलिस महकमे ने तो बाजी मार ली और अपने जवानों की दिन-रात की मेहनत को सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया।

सफाई मित्रों का योगदान भी भूलेः विशेष रूप से नगर पालिका के सफाई मित्रों का योगदान सबसे महत्वपूर्ण और सराहनीय रहा। लाखों श्रद्धालुओं की मौजूदगी के बावजूद सफाई कर्मियों ने दिन-रात एक करके शहर को साफ सुथरा रखा और कहीं भी गंदगी का अंबार नहीं लगने दिया।

एसपी कार्यालय में दिया प्रशस्ति पत्रः एक तरफ जहां अन्य विभाग अपने कर्मचारियों के परिश्रम को भूल गए, वहीं पुलिस विभाग ने अनुशासित और सजग प्रणाली का परिचय दिया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभाकक्ष में एसपी सोनाक्षी सक्सेना की अध्यक्षता में आयोजित जिले की मासिक अपराध समीक्षा बैठक की शुरुआत ही उत्साहवर्धन के साथ हुई। एसपी सोनाक्षी सक्सेना और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे ने श्रावण मास में कांवड़ यात्रा, शिव पालकी यात्रा व धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने पर जिले के सभी राजपत्रित पुलिस अधिकारियों, अनुविभागीय अधिकारियों, रक्षित निरीक्षक उपेंद्र यादव, थाना प्रभारियों और पुलिस जवानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

स्कूली वाहनों की जांच, 20 के खिलाफ कार्रवाई

नईदुनिया प्रतिनिधि, गंजबासौदाः स्कूली छात्र-छात्राओं की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने 'मिशन सुरक्षित बचपन, सुरक्षित सड़क' के तहत विशेष संयुक्त यातायात अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोनिका तिवारी के मार्गदर्शन और एसडीओपी शिखा भलावी के नेतृत्व में शहर थाना एवं यातायात पुलिस की टीम ने स्कूली बच्चों को लाने-ले जाने वाले वाहनों की जांच की।

अभियान के दौरान ऑटो रिक्शा, वैन और अन्य स्कूली वाहनों की सघन जांच की गई। पुलिस टीम ने वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने, फिटनेस, परमिट, बीमा और ड्राइविंग लाइसेंस सहित आवश्यक दस्तावेजों की जांच की। इसके अलावा बच्चों की सुरक्षा के लिए वाहनों में सुरक्षा जाली, गेट और अन्य जरूरी सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता भी देखी गई।

जांच के दौरान विभिन्न कमियां पाए जाने पर पुलिस ने कुल 20 वाहनों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की। इनसे 10,500 रुपये का समन शुल्क वसूला गया।

यातायात पुलिस ने वाहन चालकों को बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की समझाइश दी। चालकों को निर्धारित क्षमता के अनुसार ही बच्चों का परिवहन करने तथा वाहनों में आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही वाहनों में फर्स्ट एड किट और अग्निशमन यंत्र रखने तथा उनकी तकनीकी स्थिति दुरुस्त रखने के लिए कहा गया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि स्कूली वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा, ताकि बच्चों की आवाजाही सुरक्षित सुनिश्चित की जा सके।

सीखने के लिए आंकलन आधारित शैक्षिक संवाद आयोजित

शाजापुर। एफएलएन मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान में सीखने के लिए आकलन एक ऐसी निरंतर प्रक्रिया है, जिसका उपयोग बच्चे की सीखने की प्रक्रिया के दौरान उसकी प्रगति को समझने और उसमें सुधार करने के लिए किया जाता है। उक्त विषय पर शनिवार को जनशिक्षा केंद्र भरड़ अंतर्गत एकीकृत माध्यमिक विद्यालय पतोली में कक्षा 3 से 5 पढ़ाने वाले शिक्षकों का सीखने के लिए आंकलन विषय पर शैक्षिक संवाद आयोजित किया गया। केंद्र अंतर्गत 15 शिक्षकों को जनशिक्षक मयंक चौरसिया, सह सहजकर्ता श्रीपाल मालवीय, इशरत जहां ने प्रशिक्षण देकर अध्यापन सबंधी कठिनाइयों का निदान किया गया।

'25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत' विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता

नईदुनिया प्रतिनिधि, गंजबासौदाः भारत सरकार के '25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत' अभियान के अंतर्गत नवांकुर विद्यापीठ में चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें कक्षा 6 से 12 तक के 84 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विद्यार्थियों ने चित्रों और भाषण के माध्यम से भारत के उज्ज्वल भविष्य, अपने सपनों और विकसित भारत की परिकल्पना को प्रस्तुत किया।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया और उन्हें अपनी कल्पनाओं एवं विचारों को मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर दिया।

आयोजन को सफल बनाने में उच्चतर माध्यमिक विभाग की शिक्षिका दीपिका चौरसिया, मेघा शर्मा, माध्यमिक विभाग की प्रधानाध्यापिका सीमा साध, शिक्षक रामनारायण नरवरिया, रंजना अहिरवार, पिंकी कुशवाह और प्रबल प्रताप सिंह का विशेष योगदान रहा।

विद्यालय में चयनित विद्यार्थियों की अगली स्तर की प्रतियोगिता 21 सितंबर को उत्कृष्ट उमावि में आयोजित की जाएगी।

स्पेशल खबर निमोटा की मां कृपा देवी गौशाला में खुले और पैक पशु आहार में मिली खराबी, 15 दिन से खिलाने की बात आई सामने

गौ माता के लिए आया पशु आहार सड़ा, बोरियों में मिले कीड़े

नईदुनिया प्रतिनिधि, भैरूंदाः क्षेत्र में लावारिस गौवंश को सुरक्षित आश्रय और भोजन उपलब्ध कराने के लिए गौशालाओं का संचालन किया जा रहा है। निमोटा स्थित मां कृपा देवी गौशाला में पशु आहार की गुणवत्ता को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई है। यहां गौवंश के लिए रखा खुला पशु आहार सड़ा हुआ मिला। उसमें दुर्गंध के साथ बड़ी संख्या में कीड़े भी दिखाई दिए। इतना ही नहीं, मौके पर रखी सीलबंद बोरी खोलने पर उसमें भी पशु आहार खराब मिला।

गौशाला में करीब 100 गौवंश रखने की क्षमता बताई गई। निरीक्षण के दौरान करीब 20 दिन की एक बछिया भी खराब पशु आहार खाती हुई दिखाई दी। खुले पशु आहार से तेज दुर्गंध आ रही थी। वहीं सीलबंद बोरी में भी कीड़े मिलने से पशु आहार की गुणवत्ता और भंडारण व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। यदि खराबी केवल बारिश या खुले में रखे जाने से हुई है तो पैक बोरी में रखा आहार कैसे खराब हुआ, यह जांच का विषय है।

15 दिन से खिलाने की बातः गौशाला में कार्यरत कर्मचारियों ने बताया कि पशु आहार की बोरियां करीब 15 दिन पहले पहुंची थीं और तब से इसी आहार को गौवंश को खिलाया जा रहा था। कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें करीब दो हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलता है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पशु आहार में कीड़े पड़ने और दुर्गंध आने की जानकारी पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया। इससे गौशाला प्रबंधन और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। नियमित निरीक्षण होने के बावजूद खराब पशु आहार की स्थिति सामने नहीं आना जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर प्रश्न खड़े करता है।

सरकारी सहायता के उपयोग पर भी सवालः जानकारी के अनुसार गौशालाओं में रखे प्रत्येक गौवंश के लिए शासन की ओर से प्रतिदिन करीब 40 रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई जाती है। ऐसे में पशुओं को गुणवत्तायुक्त भोजन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी और महत्वपूर्ण हो जाती है। हालांकि सरकारी राशि के दुरुपयोग या आर्थिक अनियमितता की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। इसके लिए पशु आहार की खरीद, बिल, भुगतान, आपूर्ति और गौशाला के रिकॉर्ड की जांच आवश्यक है।

अब जांच में यह स्पष्ट होना है कि खराब पशु आहार गौशाला तक कैसे पहुंचा, उसकी गुणवत्ता की जांच किस स्तर पर हुई और गौशाला में पशुओं को इतने दिनों तक यह आहार क्यों खिलाया जाता रहा। साथ ही खरीद और भुगतान से जुड़े रिकॉर्ड की जांच के बाद ही जिम्मेदारी तय हो सकेगी।

जिम्मेदारों ने दी अलग-अलग जानकारी

गौशाला समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राजपूत ने कहा कि पशु आहार कहां से आया, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। उनके अनुसार पशु आहार सचिव मंगल सिंह राजपूत के माध्यम से मंगाया गया था। सचिव से खरीद और बिल की जानकारी मांगी गई, लेकिन उन्होंने जानकारी देने से इनकार कर दिया और संबंधित दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए। प्रभारी पशु चिकित्सक डॉ. बृजेश निवारिया ने शिकायत मिलने पर खराब पशु आहार हटवाने की बात कही। वहीं एसडीएम सुधीर सिंह कुशवाहा ने मामले की जानकारी होने की पुष्टि करते हुए कहा कि जांच कराई जाएगी और रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।